रीवा मिर्जापुर रेल लाइन के मुद्दे पर की जा रही राजनीति

नवभारत न्यूज

हनुमना, 10 अक्टूबर, विंध्य क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण रेल लाइन जो देश की आजादी के जमाने से लंबित है काफी प्रयास करने के बाद किसी प्रकार से रीवा मिर्जापुर रेल लाइन को सरकार द्वारा मंजूरी प्रदान की गई. जिसका सर्वे भी वर्ष 2016-17 में जबलपुर रेल मंडल द्वारा नेशनल हाईवे 7 जिसका नाम अब 135 हो गया है.

उसके समानांतर रीवा से रायपुर कर्चुलियान, मनिगमा, देवतालाब, मऊगंज, खटखरी, हनुमना होते हुए उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर तक सर्वे का कार्य पूरा किया जा चुका था और जब आगे की रेल मंत्रालय द्वारा प्रक्रिया बढ़ाई जा रही थी. जैसे ही इसकी जानकारी विंध्य क्षेत्र के दो जनप्रतिनिधियों को हुई तो उनके पेट में दर्द शुरू हो गया और उस सर्वे को कैंसिल करा कर दूसरा सर्वे कराने के लिए सक्रिय हो गए, और जबलपुर रेल मंडल द्वारा आर्थिक व्यापारिक एवं जन सुविधा की दृष्टि से किए गए सर्वे को निरस्त नहीं किया जा रहा था , तब ये रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर प्रयागराज रेल मंडल से दूसरा सर्वे के लिए आदेश कराने में सफल हो गए और मनमानी तरीके से रीवा की जगह गोबिंदगढ़ मेंन स्टेशन रीवा मिर्जापुर रेल लाइन का करा कर रीवा के साथ देवतालाब मऊगंज में जहां-जहां उनकी जमीन है वहां वहां से सर्वे कराना चाहते हैं और उस ट्रेन को जो नेशनल हाईवे के समानांतर चलती उसे अनावश्यक जंगल पहाड़ों एवं सघन बस्ती से दूर-दूर ले जाना चाहते हैं, एवं 171 किलोमीटर की रेल लाइन की दूरी अनावश्यक 35 से 40 किलोमीटर बढ़ा रहे हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है.

ये स्वार्थी नेता अगर जितना प्रयास पुन: सर्वे कराने में समय बर्बाद किये अगर इतना प्रयास रीवा मिर्जापुर रेल लाइन जैसे महत्वपूर्ण रेल लाइन के निर्माण में प्रयास किए होते तो अब तक 40% निर्माण कार्य हो गया होता. परंतु विंध्य की इस महत्वपूर्ण रेल लाइन का दुर्भाग्य पीछा नहीं छोड़ रहा है.

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा कराएं : कलेक्टर

निर्माण कार्यो में देरी करने वाले ठेकेदारो के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश, कलेक्टर ने की निर्माण कार्यो की समीक्षा

नवभारत न्यूज

रीवा, 10 अक्टूबर, कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा कराएं. निर्माण कार्यों में देरी करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें.

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें. कार्यपालन यंत्री हर माह निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें. निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय के सभी भवनों का कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा कराकर इनका लोकार्पण कराएं. निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की बाधा आने पर तत्काल इसकी सूचना दें. निर्माण एजेंसियों को कार्यों की प्रगति के अनुसार समय पर राशि का भुगतान कराएं. बैठक में कलेक्टर द्वारा पीआईयू तथा मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई. कलेक्टर ने भवन विकास निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सेमरिया और जवा में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य दो माह में पूरा कराएं.

कार्यपालन यंत्री इन भवनों को पूरा करने के लिए मांग की गई राशि के संबंध में तथ्यों सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत करें. कैंसर यूनिट और विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन भवन के निर्माण कार्यों में भी तेजी लाएं. मेडिकल कालेज में अधोसरंचना विकास के लिए 321.94 करोड़ की राशि मंजूर की गई है. इस मद से किए जा रहे कार्यों की पूरी जानकारी प्रस्तुत करें.

बैठक में कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी पीआईयू के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि एसडीएम कार्यालय जवा तथा त्योंथर के भवनों का निर्माण एक माह में पूरा कराकर इनका लोकार्पण कराएं. सांदीपनि पीके स्कूल के निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है. इसमें ऑडिटोरियम तथा मध्यान्ह भोजन को छोड़कर शेष निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा कराएं. बैठक में कलेक्टर ने छात्रावास भवन निर्माण के लिए तत्काल भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए.

बैठक में कार्यपालन यंत्री पीआईयू डीएस त्रिपाठी ने बताया कि विभाग में वर्तमान में 36 कार्य स्वीकृत हैं. इनमें से 31 निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं. तीन कार्यों में भूमि प्राप्त न होने के कारण इनका निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सका है. इनमें अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में दो स्वीकृत छात्रावासों का निर्माण कार्य शीघ शुरू हो जाएगा. सांदीपनि विद्यालय मनगवां का निर्माण कार्य इसी माह पूरा हो जाएगा. सांदीपनि विद्यालय रायपुर कर्चुलियान, सिरमौर, त्योंथर, रघुराजगढ़, सेमरिया का निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा हो जाएगा. पीके स्कूल भवन का निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूरा होगा. बैठक में डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, कार्यपालन यंत्री भवन विकास निगम आदि मौजूद रहे.

रायपुर क्षेत्र में बंद वृत्त राजस्व न्यायालय पुन : चालू किया जाए

नवभारत न्यूज

चाकघाट, 10 अक्टूबर, त्योंथर जनपद के पूर्वांचल में स्थित रायपुर राजस्व विभाग का वृत्त न्यायालय क्षेत्र है. यहां के लोगों को शासन द्वारा सुलभ एवं शीघ्र न्याय प्रदान करने हेतु रायपुर में राजस्व न्यायालय का वृत्त न्यायालय कैंप स्थापित किया गया था.

जिसमें नायब तहसीलदार द्वारा सप्ताह में 2 दिन गुरुवार एवं शुक्रवार को यहां बैठकर राजस्व संबंधित कार्यवाही किए जाने का आदेश पूर्व में दिया गया था जिसके तहत यह कार्यालय नियमित रूप से यहां संचालित होता रहा किंतु इधर कुछ महीनों से इस कार्यालय में राजस्व अधिकारियों का आना बंद हो गया है. इस अंचल के काश्तकार जब न्यायालय कैंप रायपुर जाते हैं तो वहां राजस्व विभाग के बोर्ड के सिवा कोई नहीं मिलता. ऐसी स्थिति में इस अंचल के लोगों को न्याय प्राप्त करने हेतु भारी परेशानी के साथ त्योंथर जाना पड़ता है. बताया गया है कि त्योंथर से रायपुर मंडल अंतर्गत ग्राम ककरहा, चौरा जैसे गांव की दूरी लगभग 60 किलोमीटर से ज्यादा है. ऐसी स्थिति में छोटे-छोटे राजस्व संबंधित मामलों को लेकर 120 किलोमीटर आने जाने की दूरी यहां के लोगों को तय करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है. जिला प्रशासन से अपेक्षा है कि इस अंचल में जो रायपुर वृत्त का राजस्व न्यायालय कैंप स्थापित किया गया है उसे पूर्व की भांति प्रारंभ कर दिया जाए.

ग्राम पंचायत रायपुर के सरपंच अनुसूया प्रसाद मिश्र ने शासन से मांग किया है कि जहां एक और सरकार शीघ्र और सुलभ न्याय की बात करती है तो वहीं दूसरी ओर न्यायालय स्थापित करने के बाद उसे बंद कर देती है जिससे इस अंचल के लोगों को न्याय पाने में भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है.

सेवानिवृत्ति होने पर वन रक्षक अजयपाल को दी गई विदाई

नवभारत न्यूज

गुढ़, 10 अक्टूबर, अजय पाल द्विवेदी सेवानिवृत्त वनरक्षक बीट करियाझर /मेंहना सर्किल गुढ़ वन परिक्षेत्र रीवा उनके अधीनस्थ कार्य करने वाले सुरक्षा श्रमिकों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई.

मोहनिया घाटी हनुमान मंदिर परिसर में की गई. इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर ज्ञानेश्वर द्विवेदी अध्यक्ष ग्राम वन समिति इंटार पहाड़ अमर बहादुर सिंह अध्यक्ष ग्राम वन समिति करियाझर राम चरित्र त्रिपाठी सेवानिवृत वनपाल राम गोपाल पटेल स्थाई कर्मी व सुरक्षा श्रमिक विनोद तिवारी, रामप्रकाश पटेल, मनराज सिंह, रामचरण सिंह व अन्य सुरक्षा श्रमिक तथा सर्किल गुढ़ के अंतर्गत पदस्थ वन कर्मचारी आशुतोष कुमार पांडे अखिलेश पटेल राजमणि शुक्ला हरिनाथ दास परिक्षेत्र सहायक गुढ़, सेवा निवृत डिप्टी रेंजर महेंद्र शरण त्रिपाठी तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे तथा सभी के द्वारा सेवानिवृत्ति वनरक्षक को सपरिवार स्वस्थ रहे.

स्वदेशी तकनीक सिर्फ विज्ञान नही बल्कि हमारे आत्म सम्मान का प्रतीक है : तिवारी

नवभारत न्यूज

रीवा, 10 अक्टूबर, जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में स्वदेशी तकनीक एवं सशक्त भारत में इंजीनियर्स की भूमिका विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई. मंचासीन अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं देवतालाब विधायक गिरीश गौतम उपस्थित रहे. मुख्य वक्ताओं के रूप में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. डी.के. जैन और डॉ. संदीप पांडे ने अपनी सारगर्भित बातें रखीं. कॉलेज के चेयरमैन डॉ. एस.एस. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा स्वदेशी तकनीक सिर्फ विज्ञान नहीं, बल्कि हमारे आत्मसम्मान का प्रतीक है. आज का युवा इंजीनियर यदि अपने ज्ञान का उपयोग देश के विकास और आत्मनिर्भरता के लिए करे, तो भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर होगा. इंजीनियरों में सृजन की शक्ति होती है, वही शक्ति राष्ट्र को सशक्त बनाती है. उन्होंने आगे कहा कि आज जेएनसीटी केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार और राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला बन चुका है. उन्होंने मुख्य अतिथि गिरीश गौतम को उनके सामाजिक और जनसेवा के उत्कृष्ट योगदान के लिए समूह की ओर से सम्मानित किया. मुख्य अतिथि गिरीश गौतम ने अपने वक्तव्य में कहा भारत की असली ताकत उसकी प्रतिभा और तकनीक में है. स्वदेशी सोच के साथ यदि हमारे इंजीनियर आगे बढ़ें, तो देश आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि आत्मगौरव से परिपूर्ण होगा. इंजीनियर केवल मशीन नहीं बनाते, वे राष्ट्र की दिशा तय करते हैं. मुख्य वक्ता डॉ. डी.के. जैन ने कहा कि तकनीकी शिक्षा तभी सार्थक है जब उसका उपयोग ग्रामीण और स्थानीय जरूरतों को पूरा करने में हो.

वरिष्ठ इंजीनियर किये गये सम्मानित

कार्यक्रम में कई वरिष्ठ इंजीनियरों को अभियंता सम्मान से सम्मानित किया गया. जिसमें सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर एस.बी.एस. परिहार, रिटायर्ड एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के.के. गर्ग, एवं डॉ. दयाशंकर पांडे को अभियंता अवॉर्ड से नवाजा गया. इस अवसर पर डॉ. एस.डी. शर्मा (पूर्व अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग), वनस्थली स्कूल के डायरेक्टर मनोज तिवारी, जेएनसीटी प्राचार्य मिहिर पाण्डेय, डीन अनुभव पांडे, रजिस्ट्रार जे एस परिहार और बड़ी संख्या में प्राध्यापक, छात्र-छात्राएँ तथा स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. कार्यक्रम में प्रसिद्ध बघेली कवि रामलखन महगना ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं से वातावरण में देशभक्ति की ऊर्जा भर दी. छात्रों ने भी विभिन्न तकनीकी प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वदेशी तकनीक की भावना को जीवंत कर दिया.

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

मऊगंज, 10 अक्टूबर, मऊगंज नवीन जिले कालेज के सामने बराव रोड के पास दुकान बनाकर अतिक्रमण किया गया था. जिसके चलते मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देश पर नगर परिषद अधिकारी के द्वारा दुकानों पर चला बुलडोजर. मऊगंज में कई बार नगर परिषद के द्वारा अतिक्रमण हटाया गया फिर नगर परिषद के कर्मचारियों से सांठ-गांठ के कारण पुन: अतिक्रमण किया जाता है. मऊगंज में रोड और नालिया का काम अभी तक पूरा नहीं किया गया जिसके कारण घंटो जाम की स्थित बनी रहती है. आज प्रशासन और नगर परिषद के अमला के कारण कॉलेज के सामने दुकानो पर बुलडोजर चलने के कारण शहर में हड़कंप मचा.

झोकमती जलप्रपात का अद्भुत नजारा देखने आते है लोग

नवभारत न्यूज

हनुमना, 10 अक्टूबर, मऊगंज जिले के हनुमना तहसील के पूर्वी क्षेत्र में, तहसील कार्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्राम अल्हवा कला में स्थित झोकमती जलप्रपात इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.

बरसात के मौसम में यह जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर रहा है. बताया जाता है कि मऊगंज जिले के पूर्व एवं प्रथम कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने इस झोकमती जलप्रपात को गोद लैने की बात कही थी जिसके बाद से यहां पर्यावरण और पर्यटन विकास की दिशा में आशा की किरण जगी थी लेकिन उनका ट्रांसफर होने के बाद इस और प्रशासन का ध्यान नहीं गया.

उल्लेखनीय है कि यहां की हरियाली, गिरते हुए जल की गूंज और प्राकृतिक दृश्य पर्यटकों को शहर की भागदौड़ से दूर एक शांत और ताजगी भरा अनुभव देते हैं. आसपास के गांवों से लेकर दूर-दराज़ के क्षेत्रों से लोग यहां आकर प्रकृति की अद्भुत छटा का आनंद लेते रहते हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इस स्थल का और विकास किया जाए, तो झोकमती जलप्रपात बहुती जलप्रपात के बाद दूसरा स्थान ले सकता है और मऊगंज जिले का प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है.

अमिलिहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रास्ता न होने से नही पहुंच रही एम्बुलेंस

नवभारत न्यूज

गुढ़, 10 अक्टूबर, जिले के गुढ विधानसभा क्षेत्र के अमिलिहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रास्ते पर कीचड़ और दलदल होने से अस्पताल तक मरीजों को पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

वहीं सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात तोमर ने जानकारी देते हुए बताया है कि अमिलिहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने के लिए मुख्य सड़क से अंदर जाना पड़ता है पर कच्चे रास्ते पर इतना कीचड़ और दलदल है कि एंबुलेंस और अन्य वाहन अंदर नहीं जा पा रहे हैं. जिससे यहां आने वाले हर रोज सैकड़ो मरीजों को बिना दवा कराए ही वापस लौटना पड़ रहा है. रात करीबन 3:00 बजे एंबुलेंस से प्रसव कराने पास के ही गांव से एक महिला आई थी और वह जिंदगी और मौत से लड़ रही थी पर अस्पताल तक एंबुलेंस नहीं पहुंचने से उस महिला को रीवा अस्पताल ले जाया गया. वहीं स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और यहां के जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करते हुए जल्द पक्की सड़क बनाई जाने की मांग की है ताकि मरीजों को आवा गमन में परेशानी ना उठाना पड़े. लोगो ने जल्द से जल्द रास्ते की मरम्मत कराने की मांग की है.

पुलिस प्रशिक्षण शाला के नवआरक्षक ग्राम चौपाल में जानकारी देते हुए

गोद लिये गये गांवो में लगाई गई चौपाल

नवभारत न्यूज

रीवा, 10 अक्टूबर, मिशन कर्मयोगी के तहत पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा में पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन के नेतृत्व में 93वां नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र 2025 -26 के प्रशिक्षणार्थियों को आंतरिक कक्षाओं के समापन के पश्चात पीटीएस रीवा के द्वारा गोद लिए गए आठ गांवों चौपाल लगाई गई.

ग्राम खजुहा एवं ग्राम टीकर में आज ग्राम भ्रमण कर ग्राम चौपाल आयोजित की गई. जिसमें टोली नंबर 15 के प्रशिक्षु एवं मेंटर निरीक्षक रामखेलावन वर्मा एवं ड्रिल इंस्ट्रक्टर आरक्षक दिलीप कुमार साकेत ग्राम - खजुहा में तथा टोली नंबर16 के प्रशिक्षु एवं मैंटर निरीक्षक नगेंद्र यादव, ड्रिल इंस्ट्रक्टर प्रधान आरक्षक सत्येंद्र सिंह के द्वारा ग्राम टीकर में ग्राम भ्रमण किया गया. ग्राम चौपाल के दौरान पीटीएस ट्री बैंक से ले जाए गए नि:शुल्क पौधों का वितरण किया गया एवं ग्रामीणों के साथ बैठकर चर्चा की गई. उनसे विभिन्न प्रकार की जानकारियां एकत्रित की गई ,उनकी समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए उचित विभागों को सूचित करने की जानकारी दी गई. इसके साथ ही चौपाल में एकत्रित बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों को - नवीन आपातकालीन नंबर 112,नवीन आपराधिक कानून, यातायात नियमों, राहवीर योजना, महिला संबंधी अपराधों, बालको से संबंधित अपराधों, साइबर अपराधों, डिजिटल अरेस्ट,नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा एवं करियर संबंधी विषयों पर जानकारी दी गई. प्रशिक्षणार्थियों को सामुदायिक पुलिसिंग, संवाद कौशल, जनता के साथ व्यवहार की जानकारी दी.

मनमानी अवैध वसूली पर रोक लगाई जानी चाहिए

नवभारत न्यूज

चाकघाट, 10 अक्टूबर, त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर स्थित सोहागी पहाड़ पर आरटीओ विभाग का चेक पोस्ट बैरियर मुख्यमंत्री के निर्देश पर समाप्त कर दिया गया है. किंतु इस स्थान पर वाहन चेकिंग के नाम पर विभागीय अवैध वसूली निरंतर जारी है.

मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद भी यहां पहले की तरह ही आरटीओ बैरियर के नाम पर सब कुछ चल रहा है जो पहले चला करता था. यदि कुछ बदला है तो केवल सड़क पर लगने वाला डंडा (बैरियर) भर यहां नहीं है ।बल्कि उसके स्थान पर लाठी डंडे से लैस अनेक लोग सड़क पर खड़े हैं जो खाकी वर्दी पहने रहते हैं किन्तु इनमें से अधिकांश वर्दी वाले विभाग के लोग नहीं हैं. इन्हें अराजक तत्व कहना अनुचित न होगा जो आए दिन वाहन चालकों के साथ गाली गलौज और मारपीट भी करने में पीछे नहीं रहते. राह गुजरते ट्रकों, पिकअप, नेशनल परमिट के नाम पर चलने वाली बसों आदि से यहां इस तरह से अवैध हो रही है जैसा कि पहले कभी पुलिस विभाग एंट्री के नाम पर थाने के सामने लाठी डंडे से लैस होकर वाहन चालकों को रोक कर उनसे जबरिया वसूली करती थी. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सड़कों पर लगाया आरटीओ विभाग की चेक पोस्ट हटाने का निर्देश दिया था किन्तु उनका आदेश यहां बेसर हो रहा है क्योंकि अब तो पहले से भी ज्यादा जांच के नाम पर वसूली और प्रताडना प्रारंभ हो गई है. वाहन चालकों ने बताया है कि बैरियर वाले स्थान पर जांच पड़ताल के नाम पर उन्हें परेशान किया जाता है और एंट्री वसूली का खेल चल रहा है. पहले यहां महीने में एक बार पैसा दिया जाता था किन्तु इस समय हर चक्कर वहां एंट्री के नाम पर पैसा देना पड़ रहा है. जिस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की कार्यवाही की जाय.